अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2013) | दिनांक 19.12.2013

चतुर्थ वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

आचार्य श्री कालूगणी – 30

प्र.1 किन्हीं पांच प्रश्नों का एक वाक्य में उत्तर दीजिए। 5

(क) कालूगणी का जन्म नाम क्या था? उन्हें कालू नाम से क्यों पुकारा गया?

(ख) कालूगणी आचार्य बनते ही पट्ट पर बैठने को तैयार क्यों नहीं हुए?

(ग) कालूगणी ने प्रथम मातृ–मिलन में साध्वीश्री कानकंवरजी को कैसे सम्मानित किया?

(घ) तेरापंथ के प्रथम लिपिकार कौन थे?

(ड.) मुनि अमरचन्दजी को पुनः संघ में लेने के लिए कौन सी दो प्रक्रियाओं में से एक प्रक्रिया तय की गयी?

(च) कालूगणी को संस्कृत के कौन–कौन से काव्य पसन्द थे?

(छ) हरियाणा में सर्वप्रथम तेरापंथ के कौन से आचार्य पधारे उनके कितने वर्ष बाद कालूगणी का पर्दापण हुआ?

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए – 5

(क) भावी उत्तराधिकारी बनाने से पूर्व आचार्य कालूगणी ने कितनी उपनिषद् बुलायी तथा द्वितीय उपनिषद् का क्या उद्देश्य था?

(ख) कालूगणी ने संस्कृत टीकाओं के अध्ययन को आवश्यक क्यों बताया?

(ग) दीक्षा से पूर्व तीन परीक्षण/तीन कसौटियाँ कौन–कौन सी हैं?

(घ) कालूगणी से कौन–कौन से विदेशी विद्वान सम्पर्क में आये?

प्र.3 कोई एक प्रश्न का 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए – 6

(क) कालूगणी ने अपने शासन काल में नवीनता की भूमि पर कौन–कौन से नये कदम बढ़ाये? संक्षेप में लिखें।

(ख) घटना प्रसंग द्वारा सिद्ध करें कि कालूगणी व्याकरण मर्मज्ञ थे।

(ग) मुनि ऋषिरामजी के विद्रोह की घटना को संक्षेप में लिखें।

प्र.4 सिद्ध करें कि कालूगणी शिष्य वर्ग का निर्माण करने में अत्यन्त निपुण थे।

''अथवा''

सिद्ध करें कि तेरापंथ को विद्या के क्षेत्र में आज जो सुफल प्राप्त हो रहे हैं, उनमें जयाचार्य की दूरदृष्टि, मघवागणी की सत्प्रेरणा और कालूगणी की सतत श्रमशीलता का समन्वित रूप ही कारणभूत है। 14

धर्मचक्र का प्रवर्त्तन – 40

प्र.5 किन्हीं आठ प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में दीजिए – 8

(क) आचार्य तुलसी ने तेरापंथ नाम की कौन सी नयी व्याख्या की?

(ख) महात्मा गांधी तथा आचार्यश्री तुलसी की अहिंसा के मानदण्ड क्या–क्या थे?

(ग) आचार्यश्री तुलसी ने कलकत्ता से विहार कर सीधा सरदारशहर पहुँचने का लक्ष्य क्यों बनाया?

(घ) अणुव्रत आन्दोलन को ''एटोमिक बॉम'' का नाम किस देश के कौन से समाचार पत्र ने दिया?

(ङ) राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद ने कौन से पद की मांग की तथा आचार्यश्री ने कौन सा पद देना चाहा?
(च) मुनि तुलसी ने कितने साधुओं को स्थायी विद्यार्थी के रूप में पढ़ाया?
(छ) साधु–साध्वियों ने संस्कृत की कौन–कौन सी हस्तलिखित पत्र–पत्रिकाएँ निकाली?
(ज) आचार्यश्री तुलसी को ''अणुव्रत अनुशास्ता'' का पद कब प्राप्त हुआ?
(झ) बड़े भाई मोहनलालजी ने दीक्षा से पूर्व बालक तुलसी की परीक्षा किस प्रकार ली?
(ञ) आचार्य तुलसी ने अपने तीसरे ग्यारह वर्षीय समय चक्र में शक्ति का नियोजन कहाँ किया?

प्र.6 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए – 5
(क) दीक्षा को छोड़कर संघ से अलग होने के क्या–क्या कारण बताये गये हैं?
(ख) मंत्री मुनि मगनलालजी स्वामी के स्वर्गवास पर आचार्यश्री तुलसी ने उनके लिए क्या लिखा?
(ग) अणुव्रत आन्दोलन के सामने दो प्रश्न कौन से थे तथा आचार्यश्री ने कौन सा विकल्प चुना?
(घ) अणुव्रत आचार संहिता में मतदाताओं के लिए क्या–क्या नियम हैं?

प्र.7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 12
(क) आचार्यश्री तुलसी की कुण्डली और हस्तरेखा पर आधारित रेखाचित्र का वर्णन करें।
(ख) अणुव्रत आन्दोलन के सूत्रपात पर प्रकाश डालें।
(ग) आचार्य तुलसी के पदाभिषेक पर टिप्पणी लिखें।
(घ) कच्छ यात्रा पर टिप्पणी लिखें।

प्र.8 तेरापंथ में संस्कृत के विकास की यात्रा पर लेख लिखें। 15

''अथवा''

आचार्य तुलसी द्वारा अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति किस प्रकार की गयी? पृष्ठभूमि व कार्यक्रमों पर विस्तार से प्रकाश डालें।

तुलसी–प्रबोध – 21

प्र.9 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें। 12
(क) ''युवाचार्य मनोनयन'' वाला पद्य। (ख) लाडकंवर री.....भार हो।।
(ग) ''जैन विश्व भारती'' वाला पद्य। (घ) कालू जन्म शताब्दी.....इंतजार हो।।
(ङ) चौबी सन्त.....सैंकड़ा चार हो।।

प्र10 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9
(क) भव–भव.....सितार हो।। (ख) इक्यासिय चूरू.....गणधार हो।।
(ग) भाईजी महाराज.....नेतार हो।। (घ) लोग विरोधी.....पधार हो।।
(ङ) नहीं असर.....जोरदार हो।।

तेरापंथ प्रबोध – 9

प्र11 कोई तीन पद्य लिखें। 9
(क) ''बदले युग की धारा'' गीत वाला पद्य। (ख) हर्ष विभोर.....करार हो।।
(ग) ''आचार्य भिक्षु के साहित्य'' वाला पद्य।
(घ) ''हमारे भाग्य बड़े बलवान'' गीत वाला पद्य।
(ङ) ''टाबर मनै न समझो कोई'' वाला पद्य।